जिनकी मौत हो गयी है उन्हें ज़िंदा किया जाएगा! (भाग 1)

बाइबल हमें क्या सिखाती है? के अध्याय 7 पर आधारित। यह किताब jw.org पर उपलब्ध है।

मकसद: जाँचिए कि आप क्या मानते हैं और ऐसा क्यों मानते हैं। देखिए कि बाइबल क्या सिखाती है और आप जो मानते हैं वह दूसरों को कैसा समझा सकते हैं।

क्या हम अपने अज़ीज़ों की मौत के गम से कभी उबर पाएँगे?

1 जाँचिए कि आप क्या मानते हैं

कुछ लोग शायद 'नहीं' क्यों कहें?

कुछ लोग शायद 'हाँ' क्यों कहें?

आप क्या मानते हैं?

आप ऐसा क्यों मानते हैं?

www.jw.org © 2017 Watch Tower Bible and Tract Society of Pennsylvania

2 जानिए कि पवित्र शास्त्र क्या सिखाता है

जब हमारे किसी अज़ीज़ की मौत हो जाती है तो शोक मनाना स्वाभाविक है।
(*सिखाती है* किताब के अध्याय 7 के पैराग्राफ 1-6 देखें।)

1 कुरिंथियों 15:26 पढ़िए।
अगर परमेश्वर मौत को दुश्मन समझता है, तो क्या आपको लगता है कि शोक मनाने पर उसे बुरा लगेगा? अगर हाँ, तो क्यों? अगर नहीं, तो क्यों नहीं?

यूहन्ना 11:33, 35 और 14:9 पढ़िए।
अपने अज़ीज़ों की मौत हो जाने पर हमें बहुत दुख होता है, क्या यहोवा और यीशु भी दुखी होते हैं?

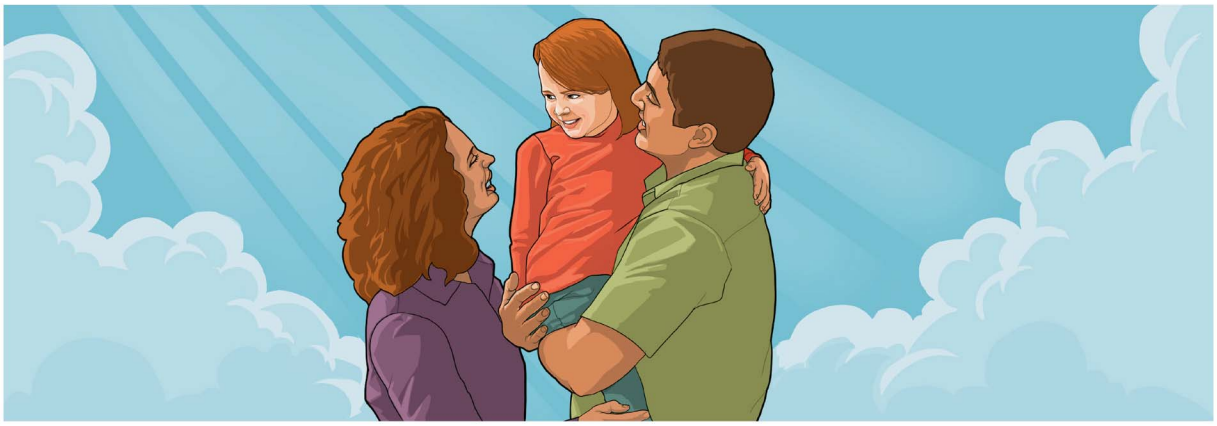

जैसे बादल छँटने पर सूरज की रौशनी चारों तरफ फैल जाती है, वैसे ही जब हमारे अज़ीज़ों को ज़िंदा किया जाएगा तब गम के बादल छँट जाएँगे और खुशियों का समाँ होगा

www.jw.org © 2017 Watch Tower Bible and Tract Society of Pennsylvania

जब मरे हुए लोगों को दोबारा ज़िंदा किया जाएगा तब हमारा गम, खुशी में बदल जाएगा।

(*सिखाती है* किताब के अध्याय 7 के पैराग्राफ 7-10 देखें।)

लूका 8:40-42, 49-56 और यूहन्ना 11:43, 44 पढ़िए।

यीशु ने ऐसा क्या किया जिससे हमें पता चलता है कि मौत हमारे अज़ीज़ों को हमसे हमेशा के लिए नहीं छीन सकती?

मरकुस 5:42 पढ़िए।

इस आयत के मुताबिक, आनेवाले वक्त में जब मरे हुए लोगों को ज़िंदा किया जाएगा तब हमें कैसा लगेगा?

आपको यह जानकर कैसा लगता है कि भविष्य में मौत नहीं रहेगी और हमें अपने अज़ीज़ों से बिछड़ना नहीं पड़ेगा?

www.jw.org © 2017 Watch Tower Bible and Tract Society of Pennsylvania

3 समझाइए कि आप क्या मानते हैं

अगर कोई कहे . . .

शोक मनाने से ऐसा लगेगा कि हमें इस बात पर विश्वास नहीं कि मरे हुए लोगों को दोबारा ज़िंदा किया जाएगा।

आप कह सकते हैं . . .

कुछ लोग शायद ऐसा कहें। लेकिन मैं यह नहीं मानता क्योंकि . . .

_____

_____

आप उसे कौन-सी आयत दिखा सकते हैं?

_____

वह जो मानता है उसे ध्यान में रखते हुए आप इस आयत से अपनी बात कैसे समझा सकते हैं?

_____

अगर कोई कहे . . .

जब किसी की मौत हो जाती है तो वह कभी वापस नहीं आता।

आप कह सकते हैं . . .

यह सच है कि जब हमारे किसी अज़ीज़ की मौत होती है तो उसका वजूद पूरी तरह मिट जाता है। लेकिन मैं नहीं मानता कि वह हमसे हमेशा के लिए बिछड़ गया है क्योंकि . . .

_____

_____

आप उसे कौन-सी आयत दिखा सकते हैं?

_____

वह जो मानता है उसे ध्यान में रखते हुए आप इस आयत से अपनी बात कैसे समझा सकते हैं?

_____

www.jw.org © 2017 Watch Tower Bible and Tract Society of Pennsylvania